

दिव्यसार (दि० + सार) m. N. eines wegen seines himmlischen Harzes beliebten Baumes, *Shorea robusta*, RĀGAN. im ÇKDR.

दिव्यस्त्री (दि० + स्त्री) f. ein himmlisches Weib, eine Apsaras VARĀH. BḢ. S. 43, 90. KATHĀS. 17, 144.

दिव्यांशु (दि० + अंशु) m. die Sonne (himmlische Strahlen habend): ०र-शिमभिः MBu. 4, 390.

दिव्यादिव्य (दिव्य + अ - दि०) adj. halb göttliche, halb menschliche Natur habend RASAM. im ÇKDR.

दिव्यावदान (दिव्य + अव०) n. Titel einer buddh. Legendensammlung (himmlische Thaten) BURN. Intr. 299.

दिव्येलक m. eine Schlangenart SUGR. 2, 266, 6. Scheint mit दिव्यक identisch zu sein.

दिव्योदक (दिव्य + उदक) m. himmlisches Wasser, Regenwasser RĀGĀN. im ÇKDR.

दिव्योपपाडक (दिव्य + उप०) adj. auf himmlische, übernatürliche Weise entstehend: देवाः AK. 3, 1, 50.

दिव्यौघ (दिव्य + औघ) m. Bez. gewisser Formen des Çiva bei den Tāntrika ÇKDR.

1. दिम्, दिदिष्टि und दिशति (spätere Form, DĀTUP. 28, 3); प्रदिश्यति MBu. 1, 6472; दिदेश; देह्यति, देष्टा Kār. 5 aus SIDDH. K. zu P. 7, 2, 10; अदिशत् P. 3, 1, 43; med. selten, obgleich im DĀTUP. als gleichberechtigt angegeben; अदिष्ट ved.; दिष्टे. 1) zeigen, vorweisen, vorführen (einen Zeugen): सानिषाः सानि मेतपुक्ता (d. i. म इत्यु०) दिशेत्युक्ता दिशेन्न यः M. 8, 57, 52, 53. — 2) Jmd Etwas anweisen, zuweisen, assignare: प्रजां देवि दिदिष्टि नः RV. 2, 41, 17 (Nir. 11, 32). दिदिष्टु देव्यदिती रेकणाः 7, 40, 2, 40, 93, 15. इमं धाता लोकमस्मै दिदेश AV. 14, 2, 13. प्राचीनं श्रौतिः प्रदिशा दिशता RV. 10, 110, 7. स्तोमं वा अथ रूद्राय नमसां दिदिष्टन 92, 9. वाल्मीके ऽप्यासनं म दिदेश R. GORR. 1, 2, 28. HARIV. 7230. वरं दिश यथा-योगम् Tribut anweisen so v. a. zahlen 16061. अस्या देव्यास्त्वं साधु प्रूरं पतिं दिश MBu. 3, 14278. इष्टा गतिं तस्य सुरा दिशति 13, 1843. HARIV. 10660. तेन सत्येन मे देवा दिशन्मयमीश्वराः R. 6, 101, 11. 2, 23, 13. 34. BHART. 2, 20. RAGH. 3, 30. 11, 2. 16, 72. RT. 6, 34. BHĀG. P. 2, 2, 5. 5, 19, 27. med.: यो रोहिणौ त्रिभिः शतैः सचमानावदिष्टे RV. 5, 36, 6. — 3) erweisen, med.: आडु मे निवरो भुवद्वत्रकादिष्टे पौस्यम् RV. 8, 82, 15; vgl. 43, 26, wo अदिष्टे. — 4) mit einem infin. heissen: स्मर्तुं दिशति न दिवः heissen Einen des Himmels nicht gedenken Kir. 3, 28. — partic. दिष्टे = उपदिष्ट TAİK. 3, 3, 97. auf den hingewiesen worden ist: गाथेयदिष्टम् — मारीचम् BHART. 2, 32. angewiesen, zugewiesen, vorgezeichnet, festgesetzt, bestimmt: दिशं दिष्टाम् RV. 1, 183, 5. मृत्यवे दिष्टः (ज्ञप्तिषे) AV. 5, 30, 17. शस्त्रं ÇĀNKH. ÇR. 18, 23, 8. 17, 8, 3. दिष्टं वेणुं समाविशत् N. 21, 25. दिष्टद्वारा लभेद्भृष्टम् MBu. 4, 95. पुनः पुनर्याच्यमानो दिष्टमित्यत्रवा-च्छिवः 3, 7396. An. 9, 31. महादेवेन दिष्टे ते पुत्रजन्म MBu. 3, 8847. न दिष्टमर्थमत्येतुनोशो मर्त्यः कायं च न 10746. दिष्टमेतत्पुरा मन्ये न शक्यम-तिवर्तितुम् 3, 7543. (सारमेयः) विन्दति यदिष्टे द्वापडोदनमेव वा BHĀG. P. 4, 29, 30, 31. पूर्वदिष्टं हि तस्य तत् 6, 17, 17. प्राग्दिष्टं भृत्यरत्नायां पुरुषेण — चक्रम् 9, 4, 48. धात्रा तु दिष्टस्य वशे किलेदं सर्वं जगतिष्ठति न स्वत-न्त्रम् MBu. 2, 2005. काले दिष्टमेवाभ्यपद्यत BHĀG. P. 9, 18, 32. आत्मनो ऽन्यस्य वा दिष्टं देवेनापोक्तं द्वयोः 7, 10, 63. दिष्टमुत् 13, 39. (कर्म) दन्ति-

एयदिष्टम् BHART. 2, 29. दिष्टा गतिः der angewiesene Gang euphem. so v. a. Tod R. 2, 103, 8. angewiesen d. i. der eine Anweisung erhalten hat: सा हि दिष्टा — वनाय — अनुगच्छस्व माम् R. 2, 30, 40. सा वै यथा वया दिष्टा (वयादिष्टा?) तथास्ते वत्प्रतीक्षिणी MBu. 3, 2731. n. der angewiesene Ort: तं प्रेतं दिष्टमितो ऽग्रय एव कुरति KĀND. UP. 5, 9, 2. Anweisung, Befehl, Beschluss: वक्षाम सर्वे विवशा यस्य देवस्य दिष्टम् BHĀG. P. 5, 1, 11. दिष्टं तदुपधारयन् 8, 4, 11. दिष्टकारिन् 4, 28, 1. (राज्ञः) अतिड-ष्टदिष्टस्य RĀGĀ-TAR. 4, 121. Bestimmung, Fatum, Lebensziel AK. 1, 1, 4, 6. 3, 4, 9, 37. H. 1379. an. 2, 92. MED. 1. 17. HĀR. 270. VS. 30, 7. पुरा दिष्टात्पुरायुषः AV. 10, 3, 16. दिष्टं नो अत्र त्रसे नि नैषत् 12, 3, 55. न दिष्ट-मभ्यातक्रातुं शक्यं बुद्ध्या वल्लेन वा MBu. 14, 1551. दिष्टवशेन 3, 828. यद्य दिष्टपरो लोके 3, 1214. यो हि दिष्टमुपासीनो निर्विचष्टः मुखं शयेत् 1215. दिष्टं चाप्यनुपश्यैतत्त्राण्डवस्य विनाशनम् 1, 8305. सत्यं दिष्टं चिकीर्षुणा 4887. दिष्टं वलीयः 3383. fg. भवितव्यं तथा तच्च दिष्टमेतत्तत्कालमनाम् 16, 280. नत्वा दिष्टाय BHĀG. P. 3, 14, 30. यस्य तुष्यति दिष्टदृक् 4, 21, 22. Ziel überh.: पुरा दिष्टादाङ्गीरस्य कृतु (AV. पुरा सत्यात्) TBu. 2, 4, 2, 2. Nach AK. 1, 1, 3, 1. TAİK. 3, 3, 97. H. 126. H. an. und MED. दिष्ट m. Zeit.

— caus. 1) Etwas zeigen, anweisen: देशयन्निव पन्थानम् R. 3, 78, 13. MBu. 6, 121. anweisen so v. a. lehren, mittheilen: यदायि भगवान्धर्मं दे-शयति SADDH. P. 4, 4, b. भगवतो धर्मं देशयमानस्य 5, a. anzeigens so v. a. bekennen, beichten: अत्ययमत्ययतो देशय BURN. Intr. 299. — 2) Jmd anweisen: धनो भूतान्यदेशयत् MBu. 4, 1439. तेनैव देशिता पूर्वम् — सुरामानय 670. कृष्याश्च नागाश्च वदन्ति देशिताः (v. l. चोदिताः, नोदिताः) Hit. II, 46. अनो-श्वरं हीश्वरदेशितं जगत् R. GORR. 2, 61, 34.

— intens. 1) aufweisen, med.: अदिष्टे वृत्रका गोपतिर्गाः RV. 3, 31, 21. — 2) erweisen, darthun, bewähren, med.: दिदिष्टे इन्द्रे इन्द्रियाणि वि-द्या RV. 5, 31, 3. अत्रदिदिष्टे पौस्यम् 8, 43, 26. यत्रा नरो दिदिशते तनुष्वा व-तामि 20, 6. pass. sich zeigen, sich erproben: सक्त्वा दिदिश्यते नारी VS. 23, 29. — 3) dringend anweisen, heischen; act.: उपे वा ज्ञामयो गिरौ दे-दिशतीर्हिविष्कृतः (अस्विरन्) RV. 8, 91, 13.

— अति 1) hinüberweisen, übertragen ÇAT. Br. 4, 3, 4, 32. 14, 1, 1, 32. KĀTJ. ÇR. 25, 2, 4. ĀÇV. ÇR. 9, 1. Häufig bei den Grammatikern das pass.: पुंवद्वयेनात्तरतमः पुंशब्दे ऽतिदिश्यते durch die Gleichsetzung mit der masculinen Form wird die zunächststehende masculine Form als auch für jene (die weibliche Form) geltend angenommen KĀÇ. zu P. 1, 1, 50. वामरथस्य कण्वादिवत्स्वरवर्जम् ॥ लुगादिकमतिदिश्यते mit dem Worte वामरथ geht dasselbe vor was mit कण्व u. s. w. mit Ausnahme des To-nes; (d. h.) लुक् u. s. w. wird auf jenes übertragen, ausgedehnt, auch von diesem gilt लुक् u. s. w. P. 4, 1, 151. VĀRT. nebst Scholien. Schol. zu P. 4, 3, 80. 100. 156. P. 7, 4, 93. VĀRT., Sch. — 2) Etwas anweisen, zuweisen: इत्यर्चितः स भगवानतिदिश्यात्मनः पदम् — धाम स्वमयात् BHĀG. P. 4, 9, 26. भुङ्क्ते भोगान्पुरुषातिदिष्टान् 5, 1, 19. — Vgl. अतिदेश.

— अनु 1) hinweisen auf: तामु धीरोमो अनुदिश्यं यज्ञते VS. 1, 28. KĀTJ. ÇR. 8, 6, 23. — 2) anweisen, zuweisen; mit dat. und acc.: गौरमौरामनु ते दिशामि VS. 13, 48. यज्ञं देवेभ्यो ऽनुदिशति TS. 1, 5, 4, 3. ÇAT. Br. 2, 6, 2, 10. 3, 3, 3, 11. 6, 2, 19. KĀTJ. ÇR. 25, 9, 1. KAUC. 137. mit 2 acc.: अन्यदन्यम-नुदिशत्यन्नम् ĀÇV. GRH. 4, 8. — 3) Jmd anweisen, auffordern: रामश्चाप्य-नुदिश्यताम् R. 6, 89, 21. — Vgl. अनानुदिष्ट, एवानुदिष्ट, अनुदेश.